Dus Mahavidya Ashtottara Shatanamavali

दसमहाविद्या अष्टोऽत्तरशतनामावलि

SHRI RAJ VERMA JI

Contact- +91-9897507933**,** +91-7500292413(WhatsApp No.)

Email- mahakalshakti@gmail.com

For more info visit---

www.scribd.com/mahakalshakti

www.gurudevrajverma.com

देवता के पवित्र नामों का पठन करने से उनके समस्त स्वरूपों एवं शक्तियों की पूजा सम्पन्न हो जाती है। अतः नित्य पूजन में शतनामावलि का पाठ अवश्य करना चाहिये। नामावलि द्वारा स्वतंत्र रूप से जप, अर्चन, होम एवं तर्पण किया जा सकता है। अर्चन, तर्पण एवं होम का आयोजन कामनानुसार किया जाता है। शान्ति एवं पुष्टि कर्म हेतु निम्न सामग्रियों का उपयोग उत्तम है।

अर्चन हेतु- सुगन्धित पुष्प, मेवा, मिष्ठान, फल, इलायची।

तर्पण हेतु- दुग्ध, मधु, केसर, फलों का रस।

होम हेतु- तिल चावल खीर मेवा शक्कर घृत का मिश्रण।

श्रीकाली अष्टोऽत्तरशतनामावलि- ध्यानम्- खड्गं चक्रगदेषुचापपरिघाञ्छूलं भुशुण्डीं शिरः शंखं संदधतीं करैस्त्रिनयनां सर्वांगभूषावृताम्। नीलाश्मद्युतिमास्यपाददशकां सेवे महाकालिकां यामस्तौत्स्वपिते हरौ कमलजो हन्तुं मधुं कैटभम्।।

Shri Raj verma ji
09897507933, 07500292413

नामावलि- ॐ काल्यै नमः। ॐ कपालिन्यै नमः। ॐ कान्तायै नमः। ॐ कामदायै नमः। ॐ कामसुन्दर्यै नमः। ॐ कालरात्र्यै नमः। ॐ कालिकायै नमः। ॐ कालभैरवपूजितायै नमः। ॐ कुरुकुल्लायै नमः। ॐ कामिन्यै नमः।।10।। ॐ कमनीय स्वभाविन्यै नमः। ॐ कुलीनायै नमः। ॐ कुलकर्त्र्यै नमः। ॐ कुलवर्त्मप्रकाशिन्यै नमः। ॐ कस्तूरीरसनीलायै नमः। ॐ काम्यायै नमः। ॐ कामस्वरूपिण्यै नमः। ॐ ककारवर्ण निलयायै नमः। ॐ कामधेन्वै नमः। ॐ करालिकायै नमः।।20।। ॐ कुलकान्तायै नमः। ॐ करालास्यायै नमः। ॐ कामार्तायै नमः। ॐ कलावत्यै नमः। ॐ कृशोदर्यै नमः। ॐ कामाख्यायै नमः। ॐ कौमार्यै नमः। ॐ कुलपालिन्यै नमः। ॐ कुलजायै नमः। ॐ कुलकन्यायै नमः।।30।। ॐ कलहायै नमः। ॐ कुलपूजितायै नमः। ॐ कामेश्वर्यै नमः। ॐ कामकान्तायै नमः। ॐ कुंजेश्वरगामिन्यै नमः। ॐ कामदात्र्यै नमः। ॐ कामहर्त्र्यै नमः। ॐ कृष्णायै नमः। ॐ कपर्दिन्यै नमः। ॐ कुमुदायै नमः।।40।।

ॐ कृष्णदेहायै नमः। ॐ कालिन्द्यै नमः। ॐ कुलपूजितायै नमः। ॐ काश्यप्यै नमः। ॐ कृष्णमात्रे नमः। ॐ कुलिशांग्यै नमः। ॐ कलायै नमः। ॐ क्रींरूपायै नमः। ॐ कुलगम्यायै नमः। ॐ कमलायै नमः।।50।। ॐ कृष्णपूजितायै नमः। ॐ कृशांग्यै नमः। ॐ किन्नर्यै नमः। ॐ कत्र्यै नमः। ॐ कलकण्ठ्यै नमः। ॐ कार्तिक्यै नमः। ॐ कम्बुकण्ठ्यै नमः। ॐ कौलिन्यै नमः। ॐ कुमुदायै नमः। ॐ कामजीविन्यै नमः।।60।। ॐ कुलस्त्रियै नमः। ॐ कीर्तिकायै नमः। ॐ कृत्यायै नमः। ॐ कीर्त्यै नमः। ॐ कुलपालिकायै नमः। ॐ कामदेवकलायै नमः। ॐ कल्पलतायै नमः। ॐ कामांगवर्धिन्यै नमः। ॐ कुन्तायै नमः। ॐ कुमुदप्रीतायै नमः।।70।। ॐ कदम्ब कुसुमोत्सुकायै नमः। ॐ कादम्बिन्यै नमः। ॐ कमलिन्यै नमः। ॐ कृष्णानन्दप्रदायिन्यै नमः। ॐ कुमारीपूजनरतायै नमः। ॐ कुमारीगण शोभितायै नमः। ॐ कुमारीरंजनरतायै नमः। ॐ कुमारीव्रतधारिण्यै नमः। ॐ कंकाल्यै नमः। ॐ कमनीयायै

नमः।।80।। ॐ कामशास्त्रविशारदायै नमः। ॐ कपालखट्वांगधरायै नमः। ॐ कालभैरवरूपिण्यै नमः। ॐ कोटर्यै नमः। ॐ कोटराक्ष्यै नमः। ॐ काशीवासिन्यै नमः। ॐ कैलासवासिन्यै नमः। ॐ कात्यायन्यै नमः। ॐ कार्यकर्यै नमः। ॐ काव्यशास्त्रप्रमोदिन्यै नमः।।90।। ॐ कामाकर्षणरूपायै नमः। ॐ कामपीठनिवासिन्यै नमः। ॐ कंगिन्यै नमः। ॐ काकिन्यै नमः। ॐ क्रीडायै नमः। ॐ कुत्सितायै नमः। ॐ कलहप्रियायै नमः। ॐ कुण्डगोलोद्भवप्राणायै नमः। ॐ कौशिक्यै नमः। ॐ कीर्तिवर्धिन्यै नमः।।100।। ॐ कुम्भस्तन्यै नमः। ॐ कटाक्षायै नमः। ॐ काव्यायै नमः। ॐ कोकनदप्रियायै नमः। ॐ कान्तारवासिन्यै नमः। ॐ कान्त्यै नमः। ॐ कठिनायै नमः। ॐ कृष्णवल्लभायै नमः।।108।।

फलश्रुति- इति ते कथितं देवि गुह्याद् गुह्यतरं परम्। प्रपठेद्य इदं नित्यं कालीनामशताष्टकम्।।

त्रिषु लोकेषु देवेशि तस्यासाध्यं न विद्यते। प्रातःकाले च मध्याह्ने सायाह्ने च सदा निशि।।

यः पठेत्परया भक्त्या कालीनामशताष्टकम। कालिका तस्य गेहे च संस्थानं कुरुते सदा।।

शून्यागारे श्मशाने वा प्रान्तरे जलमध्यतः। वह्निमध्ये च संग्रामे तथा प्राणस्य संशये।।

शताष्टकं जपन्मंत्री लभते क्षेममुत्तमम्। कालीं संस्थाप्य विधिवत्स्तुत्वा नामशताष्टकैः।। साधकः सिद्धिमाप्नोति कालिकायाः प्रसादतः।

श्रीतारा अष्टोऽत्तरशतनामावलि- ध्यानम्- ध्यायेत् कोटिदिवाकरद्युतिनिभां बालेन्दुयुक्छेखरां रक्तांगीं रसनां सुरक्तवसनां पूर्णेन्दुबिम्बाननां। पाशं कर्तृमहांकुशादिदधतीं दोर्भिश्चतुर्भिर्युतां नानाभूषणभूषितां भगवतीं तारां जगत्तारिणीम्।।

नामावलि- ॐ तारिण्यै नमः। ॐ तरलायै नमः। ॐ तन्व्यै नमः। ॐ तारायै नमः। ॐ तरुणवल्लर्यै नमः। ॐ तीररूपायै नमः। ॐ तर्यै नमः। ॐ श्यामायै नमः। ॐ तनुक्षीणपयोधरायै नमः। ॐ तुरीयायै नमः।।10।। ॐ तरुणायै नमः। ॐ तीव्रगमनायै नमः। ॐ नीलवाहिन्यै नमः। ॐ उग्रतारायै नमः।

ॐ जयायै नमः। ॐ चण्ड्यै नमः। ॐ श्रीमदेकजटाशिरायै नमः। ॐ तरुण्यै नमः। ॐ शाम्भव्यै नमः। ॐ छिन्नभालायै नमः।।20।। ॐ भद्रतारिण्यै नमः। ॐ उग्रायै नमः। ॐ उग्रप्रभायै नमः। ॐ नीलायै नमः। ॐ कृष्णायै नमः। ॐ नीलसरस्वत्यै नमः। ॐ द्वितीयायै नमः। ॐ शोभनायै नमः। ॐ नित्यायै नमः। ॐ नवीनायै नमः।।30।। ॐ नित्यनूतनायै नमः। ॐ चण्डिकायै नमः। ॐ विजयाराध्यायै नमः। ॐ देव्यै नमः। ॐ गगनवाहिन्यै नमः। ॐ अट्टहास्यायै नमः। ॐ करालास्यायै नमः। ॐ चरास्यायै नमः। ॐ अदितिपूजितायै नमः। ॐ सगुणायै नमः।।40।। ॐ असगुणायै नमः। ॐ आराध्यायै नमः। ॐ हरीन्द्रदेवपूजितायै नमः। ॐ रक्तप्रियायै नमः। ॐ रक्ताक्ष्यै नमः। ॐ रुधिरास्यविभूषितायै नमः। ॐ बलिप्रियायै नमः। ॐ बलिरतायै नमः। ॐ दुर्धायै नमः। ॐ बलवत्यै नमः।।50।। ॐ बलायै नमः। ॐ बलप्रियायै नमः। ॐ बलरतायै नमः। ॐ बलरामप्रपूजितायै नमः। ॐ ऊर्ध्वकेशेश्वर्यै नमः। ॐ

केशायै नमः। ॐ केशवायै नमः। ॐ सविभूषितायै नमः। ॐ पद्ममालायै नमः। ॐ पद्माक्ष्यै नमः।।60।। ॐ कामाख्यायै नमः। ॐ गिरिनन्दिन्यै नमः। ॐ दक्षिणायै नमः। ॐ दक्षायै नमः। ॐ दक्षजायै नमः। ॐ दक्षिणेरतायै नमः। ॐ वज्रपुष्पप्रियायै नमः। ॐ रक्तप्रियायै नमः। ॐ कुसुमभूषितायै नमः। ॐ माहेश्वर्यै नमः।।70।। ॐ महोदवप्रियायै नमः। ॐ पंचविभूषितायै नमः। ॐ इडायै नमः। ॐ पिंगलायै नमः। ॐ सुषुम्णाप्राणरूपिण्यै नमः। ॐ गान्धार्यै नमः। ॐ पंचम्यै नमः। ॐ पंचाननादिपरिपूजितायै नमः। ॐ तथ्यविद्यायै नमः। ॐ तथ्यरूपायै नमः।।80।। ॐ तथ्यमार्गानुसारिण्यै नमः। ॐ तत्त्वरूपायै नमः। ॐ तत्त्वप्रियायै नमः। ॐ तत्त्वज्ञानात्मिकायै नमः। ॐ अनघायै नमः। ॐ ताण्डवाचारसन्तुष्टायै नमः। ॐ ताण्डवप्रियकारिण्यै नमः। ॐ तालदानरतायै नमः। ॐ क्रूरतापिन्यै नमः। ॐ तरणिप्रभायै नमः।।90।। ॐ त्रपायुक्तायै नमः। ॐ त्रपामुक्तायै नमः। ॐ

तर्पितायै नमः। ॐ तृप्तिकारिण्यै नमः। ॐ तारुण्यभाव सन्तुष्टायै नमः। ॐ शक्तिभक्तानुरागिन्यै नमः। ॐ शिवासक्तायै नमः। ॐ शिवरत्यै नमः। ॐ शिवभक्तिपरायणायै नमः। ॐ ताम्रद्युत्यै नमः।।100।। ॐ ताम्ररागायै नमः। ॐ ताम्रपात्रप्रभोजिन्यै नमः। ॐ बलभद्रप्रेमरतायै नमः। ॐ बलिभुजे नमः। ॐ बलिकल्पिन्यै नमः। ॐ रामरूपायै नमः। ॐ रामशक्त्यै नमः। ॐ रामरूपानुकारिण्यै नमः।।108।।

फलश्रुति- इत्येतत्कथितं देवि रहस्यं परमाद्भुतम्। श्रुत्वा मोक्षमवाप्नोति तारादेव्याः प्रसादतः।।

य इदं पठति स्तोत्रं तारास्तुतिरहस्यकम्। सर्वसिद्धियुतो भूत्वा विहरेत् क्षितिमण्डले।।

तस्यैव मंत्रसिद्धिः स्यान्मम सिद्धिरनुत्तमा। भवत्येव महामाये सत्यं सत्यं न संशयः।।

मन्दे मंगलवारे च यः पठेन्निशि संयतः। तस्यैव मंत्रसिद्धिः स्याद् गाणपत्यं लभेत् सः।।

श्रद्धयाश्रद्धया वापि पठेत्तारारहस्यकम्। सोऽचिरेणैव कालेन जीवन्मुक्तः शिवो भवेत्।।

सहस्रावर्तनाद्देवि पुरश्चर्याफलं लभेत्। एवं सततयुक्ता ये ध्यायन्तस्त्वामुपासते।। ते कृतार्था महेशानि मृत्युसंसारवर्त्मनः।

श्रीषोडशी अष्टोऽत्तरशतनामावलि- विनियोग- ॐ अस्य श्रीषोडश्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रस्य शम्भु ऋषिः, अनुष्टुप्छन्दः, श्रीषोडशीदेवता धर्मार्थकाममोक्षसिद्धये विनियोगः।

ध्यानम्- बालार्कमण्डलाभासां चतुर्बाहुं त्रिलोचनाम्। पाशांकुश वराभीतीर्धारयन्तीं शिवां भजे।।

नामावलि- ॐ त्रिपुरायै नमः। ॐ षोडश्यै नमः। ॐ मात्रे नमः। ॐ त्र्यक्षरायै नमः। ॐ त्रितयायै नमः। ॐ त्रय्यै नमः। ॐ सुन्दर्यै नमः। ॐ सुमुख्यै नमः। ॐ सेव्यायै नमः। ॐ सामवेदपरायणायै नमः।।10।। ॐ शारदायै नमः। ॐ शब्दनिलयायै नमः। ॐ सागरायै नमः। ॐ सरिताम्बरायै नमः।

Shri Raj verma ji
09897507933, 07500292413

ॐ शुद्धायै नमः। ॐ शुद्धतन्वै नमः। ॐ साधव्यै नमः। ॐ शिवध्यानपरायणायै नमः। ॐ स्वामिन्यै नमः। ॐ शम्भुवनितायै नमः।।20।। ॐ शाम्भव्यै नमः। ॐ सरस्वत्यै नमः। ॐ समुद्रमथिन्यै नमः। ॐ शीघ्रगामिन्यै नमः। ॐ शीघ्रसिद्धिदायै नमः। ॐ साधुसेव्यायै नमः। ॐ साधुगम्यायै नमः। ॐ साधुसंतुष्टमानसायै नमः। ॐ खट्वांगधारिण्यै नमः। ॐ खर्वायै नमः।।30।। ॐ खड्गखर्परधारिण्यै नमः। ॐ षड्वर्गभावरहितायै नमः। ॐ षड्वर्गपरिचारिकायै नमः। ॐ षड्वर्गायै नमः। ॐ षडंगायै नमः। ॐ षोढायै नमः। ॐ षोडशवार्षिक्यै नमः। ॐ क्रतुरूपायै नमः। ॐ क्रतुमत्यै नमः। ॐ ऋभुक्षायै नमः।।40।। ॐ क्रतुमण्डितायै नमः। ॐ कवर्गादिपवर्गान्तायै नमः। ॐ अन्तःस्थायै नमः। ॐ अनन्तरूपिण्यै नमः। ॐ अकाराकार रहितायै नमः। ॐ कालमृत्युजरापहायै नमः। ॐ तन्व्यै नमः। ॐ तत्त्वेश्वर्यै नमः। ॐ तारायै नमः। ॐ त्रिवर्षायै नमः।।50।। ॐ ज्ञानरूपिण्यै नमः। ॐ काल्यै नमः। ॐ कराल्यै नमः। ॐ

Shri Raj verma ji
09897507933, 07500292413

कामेश्यै नमः। ॐ छायायै नमः। ॐ संज्ञायै नमः। ॐ अरुन्धत्यै नमः। ॐ निर्विकल्पायै नमः। ॐ महावेगायै नमः। ॐ महोत्साहायै नमः।।60।। ॐ महोदर्यै नमः। ॐ मेघायै नमः। ॐ बलाकायै नमः। ॐ विमलायै नमः। ॐ विमलज्ञानदायिन्यै नमः। ॐ गौर्यै नमः। ॐ वसुन्धरायै नमः। ॐ गोप्त्र्यै नमः। ॐ गवाम्पतिनिषेवितायै नमः। ॐ भगांगायै नमः।।70।। ॐ भगरूपायै नमः। ॐ भक्तिभावपरायणायै नमः। ॐ छिन्नमस्तायै नमः। ॐ महाधूमायै नमः। ॐ धूम्रविभूषणायै नमः। ॐ धर्मकर्मादिरहतायै नमः। ॐ धर्मकर्मपरायणायै नमः। ॐ सीतायै नमः। ॐ मातंगिन्यै नमः। ॐ मेधायै नमः।।80।। ॐ मधुदैत्यविनाशिन्यै नमः। ॐ भैरव्यै नमः। ॐ भुवनायै नमः। ॐ मात्रे नमः। ॐ अभयदायै नमः। ॐ भवसुन्दर्यै नमः। ॐ भावुकायै नमः। ॐ बगलायै नमः। ॐ कृत्यायै नमः। ॐ बालायै नमः।।90।। ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै नमः। ॐ रोहिण्यै नमः। ॐ रेवत्यै नमः। ॐ रम्यायै नमः। ॐ रम्भायै नमः। ॐ

रावणवन्दितायै नमः। ॐ शतयज्ञमय्यै नमः। ॐ सत्त्वायै नमः। ॐ शतक्रतुवरप्रदायै नमः। ॐ शतचन्द्राननायै नमः।।100।। ॐ देव्यै नमः। ॐ सहस्रादित्यसन्निभायै नमः। ॐ सोमसूर्याग्निनयनायै नमः। ॐ व्याघ्रचर्माम्बरावृतायै नमः। ॐ अर्धेन्दुधारिण्यै नमः। ॐ मत्तायै नमः। ॐ मदिरायै नमः। ॐ मदिरेक्षणायै नमः।।108।।

फलश्रुति- इति ते कथितं गोप्यं नाम्नामष्टोत्तरं शतम्। सुन्दर्याः सर्वदं सेव्यं महापातकनाशनम्।।

गोपनीयं गोपनीयं गोपनीयं कलौ युगे। सहस्रनामपाठस्य फलं यद्वै प्रकीर्तितम्।।

तस्मात्कोटिगुणं पुण्यं स्तवस्यास्य प्रकीर्तनात्। पठेत् सदा भक्तियुतो नरो यो निशीथकालेऽप्यरूणोदये वा। प्रदोषकाले नवमीदिनेऽथवा लभेत भोगान्परमाद्भुतान्प्रियान्।

श्रीभुवनेश्वरी अष्टोऽत्तरशतनामावलि- विनियोग- ॐ अस्य श्रीभुवनेश्वर्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रस्य शक्तिर्ऋषिर्गायत्रीछन्दो, भुवनेश्वरी देवता चतुर्वर्गसाधने जपे विनियोगः।

ध्यानम्- बालरविद्युतिमिन्दुकिरीटां तुंगकुचां नयनत्रययुक्ताम्। स्मेरमुखीं वरदांकुशपाशाभीतिकरां प्रभजे भुवनेशीम्।।

नामावलि- ॐ महामायायै नमः। ॐ महाविद्यायै नमः। ॐ महायोगायै नमः। ॐ महोत्कटायै नमः। ॐ माहेश्वर्यै नमः। ॐ कुमार्यै नमः। ॐ ब्रह्माणयै नमः। ॐ ब्रह्मरूपिण्यै नमः। ॐ वागीश्वर्यै नमः। ॐ योगरूपायै नमः।।10।। ॐ योगिन्यै नमः। ॐ कोटिसेवितायै नमः। ॐ जयायै नमः। ॐ विजयायै नमः। ॐ कौमार्यै नमः। ॐ सर्वमंगलायै नमः। ॐ हिंगुलायै नमः। ॐ विलास्यै नमः। ॐ ज्वालिन्यै नमः। ॐ ज्वालरूपिण्यै नमः।।20।। ॐ ईश्वर्यै नमः। ॐ क्रूरसंहार्यै नमः। ॐ कुलमार्गप्रदायिन्यै नमः। ॐ वैष्णव्यै नमः। ॐ सुभगाकारायै नमः। ॐ सुकुल्यायै नमः। ॐ कुलपूजितायै नमः। ॐ वामांगायै नमः। ॐ वामचारायै नमः। ॐ वामदेवप्रियायै

नमः।।30।। ॐ डाकिन्यै नमः। ॐ योगिनीरूपायै नमः। ॐ भूतेश्यै नमः। ॐ भूतनायिकायै नमः। ॐ पद्मावत्यै नमः। ॐ पद्मनेत्रायै नमः। ॐ प्रबुद्धायै नमः। ॐ सरस्वत्यै नमः। ॐ भूचर्यै नमः। ॐ खेचर्यै नमः।।40।। ॐ मायायै नमः। ॐ मातंग्यै नमः। ॐ भुवनेश्वर्यै नमः। ॐ कान्तायै नमः। ॐ पतिव्रतायै नमः। ॐ साक्ष्यै नमः। ॐ सुचक्षुष्यै नमः। ॐ कुण्डवासिन्यै नमः। ॐ उमायै नमः। ॐ कुमार्यै नमः।।50।। ॐ लोकेश्यै नमः। ॐ सुकेश्यै नमः। ॐ पद्मरागिन्यै नमः। ॐ इन्द्राण्यै नमः। ॐ ब्रह्मचाण्डाल्यै नमः। ॐ चण्डिकायै नमः। ॐ वायुवल्लभायै नमः। ॐ सर्वधातुमयीमूर्त्यै नमः। ॐ जलरूपायै नमः। ॐ जलोदर्यै नमः।।60।। ॐ आकाश्यै नमः। ॐ रणगायै नमः। ॐ नृकपालविभूषणायै नमः। ॐ नर्मदायै नमः। ॐ मोक्षदायै नमः। ॐ कामधर्मार्थदायिन्यै नमः। ॐ गायत्र्यै नमः। ॐ सावित्र्यै नमः। ॐ त्रिसन्ध्यायै नमः। ॐ तीर्थगामिन्यै नमः।।70।। ॐ अष्टम्यै नमः। ॐ नवम्यै नमः।

Shri Raj verma ji
09897507933, 07500292413

ॐ दशम्यै नमः। ॐ एकादश्यै नमः। ॐ पौर्णमास्यै नमः। ॐ कुहुरूपायै नमः। ॐ तिथिमूर्तिस्वरूपिण्यै नमः। ॐ सुरारिनाशकार्यै नमः। ॐ उग्ररूपायै नमः। ॐ वत्सलायै नमः।।80।। ॐ अनलायै नमः। ॐ अर्धमात्रायै नमः। ॐ अरुणायै नमः। ॐ पीतलोचनायै नमः। ॐ लज्जायै नमः। ॐ सरस्वत्यै नमः। ॐ विद्यायै नमः। ॐ भवान्यै नमः। ॐ पापनाशिन्यै नमः। ॐ नागपाशधरायै नमः।।90।। ॐ मूर्त्यै नमः। ॐ अगाधायै नमः। ॐ धृतकुण्डलायै नमः। ॐ क्षत्ररूप्यै नमः। ॐ क्षयकर्यै नमः। ॐ तेजस्विन्यै नमः। ॐ शुचिस्मितायै नमः। ॐ अव्यक्तायै नमः। ॐ व्यक्तलोकायै नमः। ॐ शम्भुरूपायै नमः।।100।। ॐ मनस्विन्यै नमः। ॐ मातंग्यै नमः। ॐ मत्तमातंग्यै नमः। ॐ महादेवप्रियायै नमः। ॐ दैत्यहायै नमः। ॐ वाराह्यै नमः। ॐ सर्वशास्त्रमय्यै नमः। ॐ शुभायै नमः।।108।।

फलश्रुति- य इदं पठते भक्त्या श्रृणुयाद्वा समाहितः। अपुत्रो लभते पुत्रान् निर्धनो धनवान् भवेत्।।

मूर्खोऽपि लभते शास्त्रं चौरोऽपि लभते गतिम्। वेदानां पाठको विप्रः क्षत्रियो विजयी भवेत्।।

वैश्यस्तु धनवान्भूयाच्छूद्रस्तु सुखमेधते। अष्टम्यां च चतुर्दश्यां नवम्यां चैकचेतसः।।

ये पठन्ति सदा भक्त्या न ते वै दुःखभागिनः। एककालं द्विकालं वा त्रिकालं वा चतुर्थकम्।।

ये पठन्ति सदा भक्त्या स्वर्गलोके च पूजिताः। रुद्रं दृष्ट्वां यथा देवाः पन्नगा गरुडं यथा।। शत्रवः प्रपलायन्ते तस्य वक्त्रविलोकनात्।

श्रीत्रिपुरभैरवी अष्टोऽत्तरशतनामावलि- ध्यानम्- उद्यद्भानुसहस्त्र कान्तिमरुणक्षौमां शिरोमालिकां रक्तालिप्तपयोधरां जपवटीं विद्यामभीतिं वरम्। हस्ताब्जैर्दधतीं त्रिनेत्रविलसद्वक्त्रारविन्दश्रियं देवीं बद्धहिमांशुरत्नमुकुटां वन्देऽरविन्दस्थिताम्।।

नामावलि- ॐ भैरव्यै नमः। ॐ भैरवाराध्यायै नमः। ॐ भूतिदायै नमः। ॐ भूतभावनायै नमः। ॐ आर्यायै नमः। ॐ ब्राह्म्यै नमः। ॐ कामधेनवे नमः। ॐ सर्वसम्पत्प्रदायिन्यै नमः।

Shri Raj verma ji
09897507933, 07500292413

ॐ त्रैलोक्यवन्दितायै नमः। ॐ देव्यै नमः। ॐ महिषासुरमर्दिन्यै नमः। ॐ मोहघ्न्यै नमः। ॐ मालत्यै नमः। ॐ मालायै नमः। ॐ महापातकनाशिन्यै नमः। ॐ क्रोधिन्यै नमः। ॐ क्रोधनिलयायै नमः। ॐ क्रोधरक्तेक्षणायै नमः। ॐ कुह्वै नमः। ॐ त्रिपुरायै नमः। ॐ त्रिपुराधारायै नमः। ॐ त्रिनेत्रायै नमः। ॐ भीमभैरव्यै नमः। ॐ देवक्यै नमः। ॐ देवमात्रे नमः। ॐ देवदुष्टविनाशिन्यै नमः। ॐ दामोदरप्रियायै नमः। ॐ दीर्घायै नमः। ॐ दुर्गायै नमः। ॐ दुर्गतिनाशिन्यै नमः। ॐ लम्बोदर्यै नमः। ॐ लम्बकर्णायै नमः। ॐ प्रलम्बितपयोधरायै नमः। ॐ प्रत्यंगिरायै नमः। ॐ प्रतिपदायै नमः। ॐ प्रणतक्लेशनाशिन्यै नमः। ॐ प्रभावत्यै नमः। ॐ गुणवत्यै नमः। ॐ गणमात्रे नमः। ॐ गुहेश्वर्यै नमः। ॐ क्षीराब्धितनयायै नमः। ॐ क्षेम्यायै नमः। ॐ जगत्त्राणविधायिन्यै नमः। ॐ महामार्यै नमः। ॐ महामोहायै नमः। ॐ महाक्रोधायै नमः। ॐ महानद्यै नमः। ॐ महापातकसंहन्त्र्यै नमः। ॐ महामोहप्रदायिन्यै नमः। ॐ

विकरालायै नमः। ॐ महाकालायै नमः। ॐ कालरूपायै नमः। ॐ कलावत्यै नमः। ॐ कपालखट्वांगधरायै नमः। ॐ खड्गखर्परधारिण्यै नमः। ॐ कुमार्यै नमः। ॐ कुंकुमप्रीतायै नमः। ॐ कुंकुमारुणरञ्जितायै नमः। ॐ कौमोदक्यै नमः। ॐ कुमुदिन्यै नमः। ॐ कीर्त्यायै नमः। ॐ कीर्तिप्रदायिन्यै नमः। ॐ नवीनायै नमः। ॐ नीरदायै नमः। ॐ नित्यायै नमः। ॐ नन्दिकेश्वरपालिन्यै नमः। ॐ घर्घरायै नमः। ॐ घर्घरारावायै नमः। ॐ घोरायै नमः। ॐ घोरस्वरूपिण्यै नमः। ॐ कलिघ्न्यै नमः। ॐ कलिधर्मघ्न्यै नमः। ॐ कलिकौतुकनाशिन्यै नमः। ॐ किशोर्यै नमः। ॐ केशवप्रीतायै नमः। ॐ क्लेशसंघनिवारिण्यै नमः। ॐ महोन्मत्तायै नमः। ॐ महामत्तायै नमः। ॐ महाविद्यायै नमः। ॐ महीमय्यै नमः। ॐ महायज्ञायै नमः। ॐ महावाण्यै नमः। ॐ महामन्दरधारिण्यै नमः। ॐ मोक्षदायै नमः। ॐ मोहदायै नमः। ॐ मोहायै नमः। ॐ भुक्तिमुक्तिप्रदायिन्यै नमः। ॐ अट्टाट्टहासनिरतायै नमः। ॐ क्वणन्नूपुरधारिण्यै नमः।

ॐ दीर्घदंष्ट्रायै नमः। ॐ दीर्घमुख्यै नमः। ॐ दीर्घघोणायै नमः। ॐ दीर्घिकायै नमः। ॐ दनुजान्तकर्यै नमः। ॐ दुष्टायै नमः। ॐ दुःखदारिद्र्यभंजिन्यै नमः। ॐ दुराचारायै नमः। ॐ दोषघ्न्यै नमः। ॐ दमपत्न्यै नमः। ॐ दयापरायै नमः। ॐ मनोभवायै नमः। ॐ मनुमय्यै नमः। ॐ मनुवंशप्रवर्धिन्यै नमः। ॐ श्यामायै नमः। ॐ श्यामतनवे नमः। ॐ शोभायै नमः। ॐ सौम्यायै नमः। ॐ शम्भुविलासिन्यै नमः।।108।।

फलश्रुति- इति ते कथितं दिव्यं नाम्नामष्टोत्तरं शतम्। भैरव्या देवदेवेश्यास्तव प्रीत्यै सुरेश्वरि।। अप्रकाश्यमिदं गोप्यं पठनीयं प्रयत्नतः।

श्रीछिन्नमस्ता अष्टोऽत्तरशतनामावलि- विनियोग- ॐ अस्य श्री छिन्नमस्ताष्टोत्तरशतनामस्तोत्रस्य सदाशिव ऋषिरनुष्टुप्छन्दः श्रीछिन्नमस्ता देवता मम सकलसिद्धिप्राप्तये जपे विनियोगः।

ध्यानम्- प्रत्यालीढपदां सदैव दधतीं छिन्नं शिरः कर्त्रिकां दिग्वस्त्रां स्वकबन्धशोणितसुधाधारां पिबन्तीं मुदा। नागाबद्धशिरोमणिं त्रिनयनां हृद्युत्पलालंकृतां रत्यासक्तमनोभवोपरिदृढां ध्यायेज्जवासंनिभाम्।।

नामावलि- ॐ छिन्नमस्तायै नमः। ॐ महाविद्यायै नमः। ॐ महाभीमायै नमः। ॐ महोदर्यै नमः। ॐ चण्डेश्वर्यै नमः। ॐ चण्डमात्रे नमः। ॐ चण्डमुण्डप्रभंजिन्यै नमः। ॐ महाचण्डायै नमः। ॐ चण्डरूपायै नमः। ॐ चण्डिकायै नमः।।10।। ॐ चण्डखण्डिन्यै नमः। ॐ क्रोधिन्यै नमः। ॐ क्रोधजनन्यै नमः। ॐ क्रोधरूपायै नमः। ॐ कुह्वै नमः। ॐ कलायै नमः। ॐ कोपातुरायै नमः। ॐ कोपयुतायै नमः। ॐ कोपसंहारकारिण्यै नमः। ॐ वज्रवैरोचन्यै नमः।।20।। ॐ वज्रायै नमः। ॐ वज्रकल्पायै नमः। ॐ डाकिन्यै नमः। ॐ डाकिनीकर्मनिरतायै नमः। ॐ डाकिनीकर्मपूजितायै नमः। ॐ डाकिनीसंगनिरतायै नमः। ॐ डाकिनीप्रेमपूरितायै नमः। ॐ खट्वांगधारिण्यै नमः। ॐ खर्वायै नमः। ॐ खड्गखप्परधारिण्यै नमः।।30।। ॐ प्रेताशनायै नमः। ॐ प्रेतयुतायै नमः। ॐ प्रेतसंगविहारिण्यै नमः।

ॐ छिन्नमुण्डधरायै नमः। ॐ छिन्नचण्डविद्यायै नमः। ॐ चित्रिण्यै नमः। ॐ घोररूपायै नमः। ॐ घोरदृष्ट्यै नमः। ॐ घोररावायै नमः। ॐ घनोदर्यै नमः।।40।। ॐ योगिन्यै नमः। ॐ योगनिरतायै नमः। ॐ जपयज्ञपरायणायै नमः। ॐ योनिचक्रमय्यै नमः। ॐ योन्यै नमः। ॐ योनिचक्रप्रवर्तिन्यै नमः। ॐ योनिमुद्रायै नमः। ॐ योनिगम्यायै नमः। ॐ योनियंत्रनिवासिन्यै नमः। ॐ यंत्ररूपायै नमः।।50।। ॐ यंत्रमय्यै नमः। ॐ यंत्रेश्यै नमः। ॐ यंत्रपूजितायै नमः। ॐ कीर्त्यायै नमः। ॐ कपर्दिन्यै नमः। ॐ काल्यै नमः। ॐ कंकाल्यै नमः। ॐ कलकारिण्यै नमः। ॐ आरक्तायै नमः। ॐ रक्तनयनायै नमः।।60।। ॐ रक्तपानपरायणायै नमः। ॐ भवान्यै नमः। ॐ भूतिदायै नमः। ॐ भूत्यै नमः। ॐ भूतिदात्र्यै नमः। ॐ भैरव्यै नमः। ॐ भैरवाचारनिरतायै नमः। ॐ भूतभैरवसेवितायै नमः। ॐ भीमायै नमः। ॐ भीमेश्वर्यै देव्यै नमः।।70।। ॐ भीमनादपरायणायै नमः। ॐ भवाराध्यायै नमः।

ॐ भवनुतायै नमः। ॐ भवसागरतारिण्यै नमः। ॐ भद्रकाल्यै नमः। ॐ भद्रतनवे नमः। ॐ भद्ररूपायै नमः। ॐ भद्रिकायै नमः। ॐ भद्ररूपायै नमः। ॐ महाभद्रायै नमः।।80।। ॐ सुभद्रायै नमः। ॐ भद्रपालिन्यै नमः। ॐ सुभव्यायै नमः। ॐ भव्यवदनायै नमः। ॐ सुमुख्यै नमः। ॐ सिद्धसेवितायै नमः। ॐ सिद्धिदायै नमः। ॐ सिद्धिनिवहायै नमः। ॐ सिद्धायै नमः। ॐ सिद्धनिषेवितायै नमः।।90।। ॐ शुभदायै नमः। ॐ शुभगायै नमः। ॐ शुद्धायै नमः। ॐ शुद्धसत्त्वायै नमः। ॐ शुभावहायै नमः। ॐ श्रेष्ठायै नमः। ॐ दृष्टिमय्यै नमः। ॐ देव्यै नमः। ॐ दृष्टिसंहारकारिण्यै नमः। ॐ शर्वाण्यै नमः।।100।। ॐ सर्वगायै नमः। ॐ सर्वायै नमः। ॐ सर्वमंगलकारिण्यै नमः। ॐ शिवायै नमः। ॐ शान्तायै नमः। ॐ शान्तिरूपायै नमः। ॐ मृडान्यै नमः। ॐ मदनातुरायै नमः।।108।।

फलश्रुति- इति ते कथितं देवि स्तोत्रं परमदुर्लभम्। गुह्याद् गुह्यतरं गोप्यं गोपनीयं प्रयत्नतः।।

श्रीधूमावती अष्टोऽत्तरशतनामावलि- ध्यानम्- धूम्राभां धूम्रवस्त्रां प्रकटितदशनां मुक्तबालाम्बाराढ्यां काकांकस्यन्दनस्थां धवलकरयुगां शूर्पहस्तातिरूक्षाम्। नित्यं क्षुत्क्षान्तदेहां मुहुरतिकुटिलां वारिवाञ्छाविचित्तां ध्यायेद् धूमावतीं वामनयनयुगलां भीतिदां भीषणास्याम्।।

नामावलि- ॐ धूमावत्यै नमः। ॐ धूम्रवर्णायै नमः। ॐ धूम्रपानपरायणायै नमः। ॐ धूम्राक्षमथिन्यै नमः। ॐ धन्यायै नमः। ॐ धन्यस्थाननिवासिन्यै नमः। ॐ अघोराचारसंतुष्टायै नमः। ॐ अघोराचारमण्डितायै नमः। ॐ अघोरमंत्रसम्प्रीतायै नमः। ॐ अघोरमंत्रपूजितायै नमः।।10।। ॐ अट्टाट्टहासनिरतायै नमः। ॐ मलिनाम्बरधारिण्यै नमः। ॐ वृद्धायै नमः। ॐ विरूपायै नमः। ॐ विधवायै नमः। ॐ विद्यायै नमः। ॐ विरलद्विजायै नमः।

ॐ प्रवृद्धघोणायै नमः। ॐ कुमुख्यै नमः। ॐ कुटिलायै नमः।।20।। ॐ कुटिलेक्षणायै नमः। ॐ कराल्यै नमः। ॐ करालास्यायै नमः। ॐ कंकाल्यै नमः। ॐ शूर्पधारिण्यै नमः। ॐ काकध्वजरथारूढायै नमः। ॐ केवलायै नमः। ॐ कठिनायै नमः। ॐ कुह्वै नमः। ॐ क्षुत्पिपासार्दितायै नमः।।30।। ॐ नित्यायै नमः। ॐ ललज्जिह्वायै नमः। ॐ दिगम्बर्यै नमः। ॐ दीर्घोदर्यै नमः। ॐ दीर्घरवायै नमः। ॐ दीर्घांग्यै नमः। ॐ दीर्घमस्तकायै नमः। ॐ विमुक्तकुन्तलायै नमः। ॐ कीर्त्यायै नमः। ॐ कैलासस्थानवासिन्यै नमः।।40।। ॐ क्रूरायै नमः। ॐ कालस्वरूपायै नमः। ॐ कालचक्रप्रवर्तिन्यै नमः। ॐ विवर्णायै नमः। ॐ चंचलायै नमः। ॐ दुष्टायै नमः। ॐ दुष्टविध्वंसकारिण्यै नमः। ॐ चण्ड्यै नमः। ॐ चण्डस्वरूपायै नमः। ॐ चामुण्डायै नमः।।50।। ॐ चण्डनिःस्वनायै नमः। ॐ चण्डवेगायै नमः। ॐ चण्डगत्यै नमः। ॐ चण्डविनाशिन्यै नमः। ॐ मुण्डविनाशिन्यै नमः। ॐ चाण्डालिन्यै नमः। ॐ चित्ररेखायै

नमः। ॐ चित्रांगयै नमः। ॐ चित्ररूपिण्यै नमः। ॐ कृष्णायै नमः।।60।। ॐ कपर्दिन्यै नमः। ॐ कुल्लायै नमः। ॐ कृष्णरूपायै नमः। ॐ क्रियावत्यै नमः। ॐ कुम्भस्तन्यै नमः। ॐ महोन्मत्तायै नमः। ॐ मदिरापानविह्वलायै नमः। ॐ चतुर्भुजायै नमः। ॐ ललजिह्वायै नमः। ॐ शत्रुसंहारकारिण्यै नमः।।70।। ॐ शवारूढायै नमः। ॐ शवगतायै नमः। ॐ श्मशानस्थानवासिन्यै नमः। ॐ दुराराध्यायै नमः। ॐ दुराचारायै नमः। ॐ दुर्जनप्रीतिदायिन्यै नमः। ॐ निर्मांसायै नमः। ॐ निराकारायै नमः। ॐ धूमहस्तायै नमः। ॐ वरान्वितायै नमः।।80।। ॐ कलहायै नमः। ॐ कलिप्रीतायै नमः। ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः। ॐ महाकालस्वरूपायै नमः। ॐ महाकालप्रपूजितायै नमः। ॐ महादेवप्रियायै नमः। ॐ मेधायै नमः। ॐ महासंकटनाशिन्यै नमः। ॐ भक्तप्रियायै नमः। ॐ भक्तगत्यै नमः।।90।। ॐ भक्तशत्रुविनाशिन्यै नमः। ॐ भैरव्यै नमः। ॐ भुवनायै नमः। ॐ भीमायै नमः। ॐ भारत्यै नमः।

ॐ भुवनात्मिकायै नमः। ॐ भेरुण्डायै नमः। ॐ भीमनयनायै नमः। ॐ त्रिनेत्रायै नमः। ॐ बहुरूपिण्यै नमः।।100।। ॐ त्रिलोकेश्यै नमः। ॐ त्रिकालज्ञायै नमः। ॐ त्रिस्वरूपायै नमः। ॐ त्रयीतनवे नमः। ॐ त्रिमूर्त्यै नमः। ॐ तन्व्यै नमः। ॐ त्रिशक्त्यै नमः। ॐ त्रिशूलिन्यै नमः।।108।।

फलश्रुति- इति धूमामहत्स्तोत्रं नाम्नामष्टशतात्मकम्। मया मे कथितं देवि शत्रुसंघविनाशनम्।।

कारागारे रिपुग्रस्ते महोत्पाते महाभये। इदं स्तोत्रं पठेन्मर्त्यो मुच्यते सर्वसंकटैः।।

गुह्याद् गुह्यतरं गुह्यं गोपनीयं प्रयत्नतः। चतुष्पदार्थदं नृणां सर्वसम्पत्प्रदायकम्।।

श्रीबगलामुखी अष्टोऽत्तरशतनामावली- विनियोग- ॐ अस्य श्रीपीताम्बर्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रस्य भगवान् सदाशिव ऋषिः, अनुष्टप् छन्दः, श्रीपीताम्बरीदेवता श्रीपीताम्बरीप्रीतये जपे विनियोगः।

ध्यानम्- सौवर्णासनसंस्थितां त्रिनयनां पीतांशुकोल्लासिनीं हेमाभांगरुचिं शशांकमुकुटां सच्चम्पकस्रग्युताम्। हस्तैर्मुद्गरपाशवज्ररसनाः सम्बिभ्रतीं भूषणैः व्याप्तांगीं बगलामुखीं त्रिजगतां संस्तम्भिनीं चिन्तयेत्।।

नामावलि- ॐ बगलायै नमः। ॐ विष्णुवनितायै नमः। ॐ विष्णुशंकरभामिन्यै नमः। ॐ बहुलायै नमः। ॐ वेदमात्रे नमः। ॐ महाविष्णुप्रस्वै नमः। ॐ महामत्स्यायै नमः। ॐ महाकूर्मायै नमः। ॐ महावाराहरूपिण्यै नमः। ॐ नरसिंहप्रियायै नमः।।10।। ॐ रम्यायै नमः। ॐ वामनायै नमः। ॐ बटुरूपिण्यै नमः। ॐ जामदग्न्यस्वरूपायै नमः। ॐ रामायै नमः। ॐ रामप्रपूजितायै नमः। ॐ कृष्णायै नमः। ॐ कपर्दिन्यै नमः। ॐ कृत्यायै नमः। ॐ कलहायै नमः।।20।। ॐ कलकारिण्यै नमः। ॐ बुद्धिरूपायै नमः। ॐ बुद्धभार्यायै नमः। ॐ बौद्धपाखण्ड खण्डिन्यै नमः। ॐ कल्किरूपायै नमः। ॐ कलिहरायै नमः। ॐ कलिदुर्गतिनाशिन्यै नमः। ॐ कोटिसूर्यप्रतीकाशायै नमः। ॐ कोटिकन्दर्पमोहिन्यै नमः। ॐ

केवलायै नमः।।30।। ॐ कठिनायै नमः। ॐ काल्यै नमः। ॐ कलायै नमः। ॐ कैवल्यदायिन्यै नमः। ॐ केशव्यै नमः। ॐ केशवाराध्यायै नमः। ॐ किशोर्यै नमः। ॐ केशवस्तुतायै नमः। ॐ रुद्ररूपायै नमः। ॐ रुद्रमूर्त्यै नमः।।40।। ॐ रुद्राण्यै नमः। ॐ रुद्रदेवतायै नमः। ॐ नक्षत्ररूपायै नमः। ॐ नक्षत्रायै नमः। ॐ नक्षत्रेशप्रपूजितायै नमः। ॐ नक्षत्रेशप्रियायै नमः। ॐ नित्यायै नमः। ॐ नक्षत्रपतिवन्दितायै नमः। ॐ नागिन्यै नमः। ॐ नागजनन्यै नमः।।50।। ॐ नागराजप्रवन्दितायै नमः। ॐ नागेश्वर्यै नमः। ॐ नागकन्यायै नमः। ॐ नागर्यै नमः। ॐ नगात्मजायै नमः। ॐ नगाधिराजतनयायै नमः। ॐ नगराज प्रपूजितायै नमः। ॐ नवीननीरदायै नमः। ॐ पीतायै नमः। ॐ श्यामायै नमः।।60।। ॐ सौन्दर्यकारिण्यै नमः। ॐ रक्तायै नमः। ॐ नीलायै नमः। ॐ घनायै नमः। ॐ शुभ्रायै नमः। ॐ श्वेतायै नमः। ॐ सौभाग्यदायिन्यै नमः। ॐ सुन्दर्यै नमः। ॐ सौभगायै नमः। ॐ सौम्यायै नमः।।70।। ॐ स्वर्णभायै नमः।

Shri Raj verma ji
09897507933, 07500292413

ॐ स्वर्गतिप्रदायै नमः। ॐ रिपुत्रासकर्यै नमः। ॐ रेखायै नमः। ॐ शत्रुसंहारकारिण्यै नमः। ॐ भामिन्यै नमः। ॐ मायायै नमः। ॐ स्तम्भिन्यै नमः। ॐ मोहिन्यै नमः। ॐ शुभायै नमः।।80।। ॐ रागद्वेषकर्यै नमः। ॐ रात्र्यै नमः। ॐ रौरवध्वंसकारिण्यै नमः। ॐ यक्षिण्यै नमः। ॐ सिद्धनिवहायै नमः। ॐ सिद्धेशायै नमः। ॐ सिद्धिरूपिण्यै नमः। ॐ लंकापतिध्वंसकर्यै नमः। ॐ लंकेशरिपुवन्दितायै नमः। ॐ लंकानाथकुलहरायै नमः।।90।। ॐ महारावणहारिण्यै नमः। ॐ देवदानवसिद्धौघ पूजितायै नमः। ॐ परमेश्वर्यै नमः। ॐ पराणुरूपायै नमः। ॐ परमायै नमः। ॐ परतंत्रविनाशिन्यै नमः। ॐ वरदायै नमः। ॐ वरदाराध्यायै नमः। ॐ वरदानपरायणायै नमः। ॐ वरदेशप्रियायै नमः।।100।। ॐ वीरायै नमः। ॐ वीरभूषणभूषितायै नमः। ॐ वसुदायै नमः। ॐ बहुदायै नमः। ॐ वाण्यै नमः। ॐ ब्रह्मरूपायै नमः। ॐ वराननायै नमः। ॐ बलदायै नमः। ॐ पीतवसनायै नमः। ॐ पीतभूषणभूषितायै नमः। ॐ

पीतपुष्पप्रियायै नमः। ॐ पीतहारायै नमः। ॐ पीतस्वरूपिण्यै नमः।।113।

फलश्रुति- इति ते कथितं विप्र नाम्नामष्टोत्तरं शतम्। यः पठेत्पाठयेद्वापि श्रृणुयाद्वा समाहितः।।

तस्य शत्रुः क्षयं सद्यो याति नैवात्र संशयः। प्रभातकाले प्रयतो मनुष्यः पठेत्सुभक्त्या परिचिन्त्य पीताम्।। द्रुतं भवेत्तस्य समस्तवृद्धिर्विनाशमायाति च तस्य शत्रुः।

श्रीमातंगी अष्टोऽत्तरशतनामावलि- विनियोग- ॐ अस्य श्रीमातंगी शतनाम्नां भगवान् मतंग ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, श्रीमातंगीदेवता श्रीमातंगीप्रीतये जपे विनियोगः।

ध्यानम्- ध्यायेयं रत्नपीठे शुककलपठितं श्रृण्वतीं श्यामलांगीं न्यस्तैकांघ्रिं सरोजे शशिशकलधरां वल्लकीं वादयन्तीम्। कह्लारा बद्धमालां नियमित विलसच्चोलिकां रक्तवस्त्रां मातंगीं शंखपात्रां मधुरमधुमदां चित्रकोद्भासिभालाम्।।

नामावलि- ॐ महामत्तमातंगिन्यै नमः। ॐ सिद्धिरूपायै नमः। ॐ योगिन्यै नमः। ॐ भद्रकाल्यै नमः। ॐ रमायै नमः। ॐ भवान्यै नमः। ॐ भयप्रीतिदायै नमः। ॐ भूतियुक्तायै नमः। ॐ भवाराधितायै नमः। ॐ भूतिसम्पत्कर्यै नमः।।10।। ॐ जनाधीशमात्रे नमः। ॐ धनागारदृष्ट्यै नमः। ॐ धनेशार्चितायै नमः। ॐ धीरवाप्यै नमः। ॐ वरांगयै नमः। ॐ प्रकृष्टायै नमः। ॐ प्रभारूपिण्यै नमः। ॐ कामरूपायै नमः। ॐ प्रहृष्टायै नमः। ॐ महाकीर्तिदायै नमः।।20।। ॐ कर्णनाल्यै नमः। ॐ काल्यै नमः। ॐ भगायै नमः। ॐ घोररूपायै नमः। ॐ भगांगयै नमः। ॐ भगाह्वायै नमः। ॐ भगप्रीतिदायै नमः। ॐ भीमरूपायै नमः। ॐ भवान्यै नमः। ॐ महाकौशिक्यै नमः।।30।। ॐ कोशपूर्णायै नमः। ॐ किशोर्यै नमः। ॐ किशोरप्रियायै नमः। ॐ नन्दईहायै नमः। ॐ महाकारणायै नमः। ॐ अकारणायै नमः। ॐ कर्मशीलायै नमः। ॐ कपाल्यै नमः। ॐ प्रसिद्धायै नमः। ॐ महासिद्धखण्डायै नमः।।40।। ॐ

मकारप्रियायै नमः। ॐ मानरूपायै नमः। ॐ महेश्यै नमः। ॐ महोल्लासिन्यै नमः। ॐ लास्यलीलालयांगयै नमः। ॐ क्षमायै नमः। ॐ क्षेमशीलायै नमः। ॐ क्षपाकारिण्यै नमः। ॐ अक्षयप्रीतिदायै नमः। ॐ भूतियुक्तायै नमः।।50।। ॐ भवान्यै नमः। ॐ भवाराधितायै नमः। ॐ भूतिसत्यात्मिकायै नमः। ॐ प्रभोद्भासितायै नमः। ॐ भानुभास्वत्करायै नमः। ॐ धराधीशमात्रे नमः। ॐ धनागारदृष्ट्यै नमः। ॐ धनेशार्चितायै नमः। ॐ धीवरायै नमः। ॐ धीवरांगयै नमः।।60।। ॐ प्रकृष्टायै नमः। ॐ प्रभारूपिण्यै नमः। ॐ प्राणरूपायै नमः। ॐ प्रकृष्टस्वरूपायै नमः। ॐ स्वरूपप्रियायै नमः। ॐ चलत्कुण्डलायै नमः। ॐ कामिन्यै नमः। ॐ कान्तयुक्तायै नमः। ॐ कपालायै नमः। ॐ अचलायै नमः।।70।। ॐ कालकोद्धारिण्यै नमः। ॐ कदम्बप्रियायै नमः। ॐ कोटर्यै नमः। ॐ कोटदेहायै नमः। ॐ क्रमायै नमः। ॐ कीर्तिदायै नमः। ॐ कर्णरूपायै नमः। ॐ काक्ष्म्यै नमः। ॐ क्षमांगयै नमः। ॐ क्षयप्रेमरूपायै

नमः।।80।। ॐ क्षपायै नमः। ॐ क्षयाक्षायै नमः। ॐ क्षयाह्वायै नमः। ॐ क्षयप्रान्तरायै नमः। ॐ क्षवत्कामिन्यै नमः। ॐ क्षारिण्यै नमः। ॐ क्षीरपूषायै नमः। ॐ शिवांगयै नमः। ॐ शाकम्भर्यै नमः। ॐ शाकदेहायै नमः।।90।। ॐ महाशाकयज्ञायै नमः। ॐ फलप्राशकायै नमः। ॐ शकाह्वायै नमः। ॐ अशकाह्वायै नमः। ॐ शकाख्यायै नमः। ॐ अशकायै नमः। ॐ शकाक्षान्तरोषायै नमः। ॐ सुरोषायै नमः। ॐ सुरेखायै नमः। ॐ महाशेषयज्ञोपवीतप्रियायै नमः।।100।। ॐ जयन्त्यै नमः। ॐ जयायै नमः। ॐ जाग्रत्यै नमः। ॐ योग्यरूपायै नमः। ॐ जयांगायै नमः। ॐ जपध्यानसंतुष्टसंज्ञायै नमः। ॐ जयप्राणरूपायै नमः। ॐ जयस्वर्णदेहायै नमः। ॐ जयज्वालिन्यै नमः। ॐ यामिन्यै नमः।।110।। ॐ याम्यरूपायै नमः। ॐ जगन्मातृरूपायै नमः। ॐ जगद्रक्षणायै नमः। ॐ स्वधावौषडन्तायै नमः। ॐ विलम्बाविलम्बायै नमः। ॐ षडंगायै नमः। ॐ महालम्बरूपायै नमः। ॐ असिहस्तायै नमः। ॐ

पदाहारिण्यै नमः। ॐ हारिण्यै नमः।।120।। ॐ महामंगलायै नमः। ॐ मंगलप्रेमकीर्त्यै नमः। ॐ निशुम्भक्षिदायै नमः। ॐ शुम्भदर्पत्वहायै नमः। ॐ आनन्दबीजादिमुक्तस्वरूपायै नमः। ॐ चण्डमुण्डापदायै नमः। ॐ मुख्यचण्डायै नमः। ॐ प्रचण्डाप्रचण्डायै नमः। ॐ महाचण्डवेगायै नमः।।130।। ॐ चल्लच्चामरायै नमः। ॐ चामरायै नमः। ॐ चन्द्रकीर्त्यै नमः। ॐ सुचामीकरायै नमः। ॐ चित्रभूषोज्ज्वलांगयै नमः।।135।।

फलश्रुति- इति ते कथितं देवि नाम्नामष्टोत्तरं शतम्। गोप्यं च सर्वतंत्रेषु गोपनीयं च सर्वदा।।

एतस्य सतताभ्यासात्साक्षाद्देवो महेश्वरः। त्रिसंध्यं च महाभक्त्या पठनीयं सुखोदयम्।।

न तस्य दुष्करं किञ्चिज्जायते स्पर्शतः क्षणात्। स्वकृतं यत्तदेवाप्तं तस्मादावर्तयेत्सदा।।

सदैव सन्निधौ तस्य देवी वसति सादरम्। अयोगा ये तव एवाग्रे सुयोगाश्च भवन्ति वै।।

त एव मित्रभूताश्च भवन्ति तत्प्रसादातः। विषाणि नोपसर्पन्ति व्याधयो न स्पृशन्ति तान्।।

लूता विस्फोटिकाः सर्वे शमं यान्ति च तत्क्षणात्। जरापलितनिर्मुक्तः कल्पजीवी भवेन्नरः।।

अपि किं बहुनोक्तेन सान्निध्यं फलमाप्नुयात्। तत्सर्वं लभते मर्त्यो महामायाप्रसादतः।।

श्रीकमला अष्टोऽत्तरशतनामावलि- ध्यानम्- अक्षस्रक्परशुं गदेषुकुलिशं पद्मं धनुष्कुण्डिकां दण्डं शक्तिमसिं च चर्म जलजं घण्टां सुराभाजनम्। शूलं पाशसुदर्शने च दशतीं हस्तैः प्रसन्नाननां सेवे सैरिभमर्दिनीमिह महालक्ष्मीं सरोजस्थिताम्।।

नामावलि- ॐ महामायायै नमः। ॐ महालक्ष्म्यै नमः। ॐ महावाण्यै नमः। ॐ महेश्वर्यै नमः। ॐ महादेव्यै नमः। ॐ महारात्र्यै नमः। ॐ महिषासुरमर्दिन्यै नमः। ॐ कालरात्र्यै नमः। ॐ कुह्वै नमः। ॐ पूर्णायै नमः।।10।। ॐ आनन्दायै नमः।

ॐ आद्यायै नमः। ॐ भद्रिकायै नमः। ॐ निशायै नमः। ॐ जयायै नमः। ॐ रिक्तायै नमः। ॐ महाशक्त्यै नमः। ॐ देवमात्रे नमः। ॐ कृशोदर्यै नमः। ॐ शच्यै नमः।।20।। ॐ इन्द्राण्यै नमः। ॐ शक्रनुतायै नमः। ॐ शंकरप्रियवल्लभायै नमः। ॐ महावराहजनन्यै नमः। ॐ मदनोन्मथिन्यै नमः। ॐ मह्यै नमः। ॐ वैकुण्ठनाथरमण्यै नमः। ॐ विष्णुवक्षःस्थलस्थितायै नमः। ॐ विश्वेश्वर्यै नमः। ॐ विश्वमात्रे नमः।।30।। ॐ वरदायै नमः। ॐ अभयदायै नमः। ॐ शिवायै नमः। ॐ शूलिन्यै नमः। ॐ चक्रिण्यै नमः। ॐ मायै नमः। ॐ पाशिन्यै नमः। ॐ शंखधारिण्यै नमः। ॐ गदिन्यै नमः। ॐ मुण्डमालायै नमः।।40।। ॐ कमलायै नमः। ॐ करुणालयायै नमः। ॐ पद्माक्षधारिण्यै नमः। ॐ अम्बायै नमः। ॐ महाविष्णुप्रियंकर्यै नमः। ॐ गोलोकनाथरमण्यै नमः। ॐ गोलोकेश्वरपूजितायै नमः। ॐ गयायै नमः। ॐ गंगायै नमः। ॐ यमुनायै नमः।।50।। ॐ गोमत्यै नमः। ॐ गरुडासनायै नमः। ॐ गण्डक्यै नमः। ॐ

Shri Raj verma ji
09897507933, 07500292413

सरय्वै नमः। ॐ ताप्यै नमः। ॐ रेवायै नमः। ॐ पयस्विन्यै नमः। ॐ नर्मदायै नमः। ॐ कावेर्यै नमः। ॐ केदारस्थलवासिन्यै नमः।।60।। ॐ किशोर्यै नमः। ॐ केशवनुतायै नमः। ॐ महेन्द्रपरिवन्दितायै नमः। ॐ ब्रह्मादिदेव निर्माणकारिण्यै नमः। ॐ वेदपूजितायै नमः। ॐ कोटिब्रह्माण्ड मध्यस्थायै नमः। ॐ कोटिब्रह्माण्डकारिण्यै नमः। ॐ श्रुतिरूपायै नमः। ॐ श्रुतिकर्यै नमः। ॐ श्रुतिस्मृतिपरायणायै नमः।।70।। ॐ इन्दिरायै नमः। ॐ सिन्धुतनयायै नमः। ॐ मातंगयै नमः। ॐ लोकमातृकायै नमः। ॐ त्रिलोकजनन्यै नमः। ॐ तन्त्रायै नमः। ॐ तंत्रमंत्रस्वरूपिण्यै नमः। ॐ तरुण्यै नमः। ॐ तमोहन्त्र्यै नमः। ॐ मंगलायै नमः।।80।। ॐ मंगलायनायै नमः। ॐ मधुकैटभमथन्यै नमः। ॐ शुम्भासुरविनाशिन्यै नमः। ॐ निशुम्भादिहरायै नमः। ॐ मात्रे नमः। ॐ हरिशंकरपूजितायै नमः। ॐ सर्वदेवमय्यै नमः। ॐ सर्वायै नमः। ॐ शरणागतपालिन्यै नमः। ॐ शरण्यायै नमः।।90।। ॐ

Shri Raj verma ji
09897507933, 07500292413

शम्भुवनितायै नमः। ॐ सिन्धुतीरनिवासिन्यै नमः। ॐ गन्धर्वगानरसिकायै नमः। ॐ गीतायै नमः। ॐ गोविन्दवल्लभायै नमः। ॐ त्रैलोक्यपालिन्यै नमः। ॐ तत्त्वरूपायै नमः। ॐ तारुण्यपूरितायै नमः। ॐ चन्द्रावल्यै नमः। ॐ चन्द्रमुख्यै नमः।।100।। ॐ चन्द्रिकायै नमः। ॐ चन्द्रपूजितायै नमः। ॐ चन्द्रायै नमः। ॐ शशांकभगिन्यै नमः। ॐ गीतवाद्यपरायणायै नमः। ॐ सृष्टिरूपायै नमः। ॐ सृष्टिकर्यै नमः। ॐ सृष्टिसंहारकारिण्यै नमः।।108।।

फलश्रुति- इति ते कथितं देवि रमनामशताष्टकम्। त्रिसंध्यं प्रयतो भूत्वा पठेदेतत्समाहितः।।

यं यं कामयते कामं तं तं प्राप्नोत्संशयः। इमं स्तवं यः पठतीह मर्त्यो वैकुण्ठपत्न्याः परमादरेण।। धनाधिपाधैः परिवन्दितः स्यात् प्रयास्यति श्रीपदमन्तकाले।

Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

Shri Raj verma ji
09897507933, 07500292413

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi

- Shri Baglamukhi Divya Sadhana

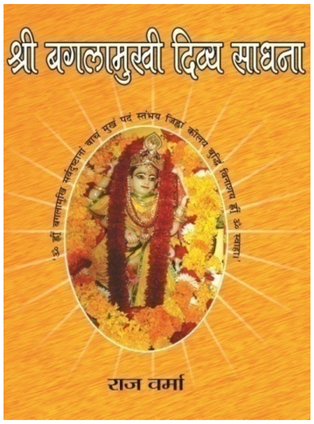

Shri Raj verma ji
09897507933, 07500292413